

>

Title: Need to convert Patna University in Bihar into central University.

**श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग):** महोदया, मैंने अपने जीवन के 6 वर्ष पटना विश्वविद्यालय में एक छात्र के रूप में व्यतीत किये हैं और दो वर्षों तक मैं उसी विश्वविद्यालय में शिक्षक भी था। इसलिए उस सम्बन्ध के आधार पर मेरा यह अधिकार बनता है कि मैं पटना विश्वविद्यालय की बात यहां पर उठाऊं।

पटना विश्वविद्यालय की आज के दिन बात क्या है, पटना विश्वविद्यालय आधुनिक बिहार का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है और बहुत दिनों से वहां एक मांग चली आ रही है कि पटना विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया जाये, उसको केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाया जाये। लेकिन इस इतने पुराने विश्वविद्यालय को, जिसकी पूरे देश में अपनी एक श्रेष्ठ ख्याति रही है, उसको अभी तक केन्द्रीय विश्वविद्यालय में परिणत नहीं किया गया है। अभी हाल में पटना में एक महा-धरना हुआ था, मुझे भी उसमें लोगों ने आमंत्रित किया था, मैं भी एक पूर्व छात्र और शिक्षक के नाते उसमें गया था। मैंने देखा कि पटना विश्वविद्यालय को सैण्ट्रल यूनिवर्सिटी बनाने के लिए एक बहुत बड़ा आन्दोलन वहां पर चल रहा है।

अभी हाल में बिहार में मोतिहारी में और गया में दो केन्द्रीय विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा स्वीकृत किये गये हैं। वह एक बहुत अच्छी बात है कि वहां दोनों जगह केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं, लेकिन अनेक ऐसे प्रदेश हैं, जिनमें तीन या चार केन्द्रीय विश्वविद्यालय पहले से ही स्थापित हैं और इसीलिए मुझे लगता है कि बिहार के साथ अन्याय होगा, पटना विश्वविद्यालय के साथ अन्याय होगा, अगर इसी मौके पर, जब यह बिल संसद में आता है तो उसमें पटना विश्वविद्यालय को भी नहीं शामिल किया जाता है।

मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार से यह एक बहुत जोरदार मांग है कि इन सब बातों को देखते हुए उन्हें पटना विश्वविद्यालय को भी उस विधेयक में शामिल करना चाहिए और बिहार में तीन केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनें, इसकी व्यवस्था भारत सरकार को करनी चाहिए और वहां जो एक जोरदार मांग है, उस मांग को उनको पूरा करना चाहिए।

यही निवेदन मैं आपसे करना चाहता हूं।

**अध्यक्ष महोदया :**

श्री मंगनी लाल मंडल,

श्री भूदेव चौधरी,

श्री महेश्वर हजारी और

श्री पन्ना लाल पूनिया को श्री यशवंत सिन्हा के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€(लवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह, ठीक है, अब आपकी बारी है।

\*m06

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली):** इलाहाबाद और पटना, दोनों की मांग एक साथ थी। इलाहाबाद हो गया...(लवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** अब आपकी बारी है।

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह:** यह अन्याय है और राज्य सरकार जमीन देने से भाग रही है, इसलिए पटना विश्वविद्यालय की उचित मांग पूरी नहीं हो रही है। इसमें पटना विश्वविद्यालय...(लवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** बैठ जाइये। अब आपकी जीरो ऑवर की बारी है, आप कुछ और बोले जा रहे हैं। खड़े होकर बोलिये, आपकी बारी है, आपने जो विषय दिया है, उसे बोलिये। गंगा और यमुना की सफाई से सम्बन्धित विषय आपने शून्य पूर में उठाया है, आप उस पर बोलिये।

